an>

Title: Need to set up a Centre for Excellence of Cotton in Gujarat.

डॉ. किरीट पी. सोलंकी (अहमदाबाद) ः मैं सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि गुजरात में प्रतिवर्ष 104 लाख कॉटन की गांठों का उत्पादन होता है जो कि भारत के कुल कपास उत्पादन का 30 प्रतिशत है। वर्ष 2013-14 में गुजरात में 26.91 लाख हैक्टेयर भूमि पर कपास का उत्पादन किया गया जोकि भारत के कुल कपास उत्पादक भूमि का 24 प्रतिशत है। इसके साथ ही साथ गुजरात उत्तम कपास बीज के उत्पादन में भारत में नम्बर एक पर है। भारत के साथ-साथ गुजरात राज्य में कपास की उत्पादन क्षमता और उसकी गुणवत्ता को बढ़ाने की असीम संभावनाएं है। इसलिए गुजरात में सेंटर फॉर एक्सीलैंस ऑफ कॉटन केन्द्र को स्थापित करने की अति आवश्यकता है। इस सेंटर के स्थापित हो जाने से कपास के बीजों की गुणवत्ता और कपास के उत्पादन में बढ़ोतरी होने की संभावना है। मोटे तौर पर 5-6 वर्षों में 200 लाख कॉटन की गांठों का उत्पादन आसानी से हो सकता है। इसके लिए अतिरिक्त भूमि की जरूरत भी नहीं होगी और दूसरी श्वेत क्रांति आ जायेगी। भारत में आज भी लगभग 11 से 15 प्रतिशत ग्रामीण लोग कपास और इससे संबंधित कार्यों में लगे हुए हैं। इसलिए गुजरात में सेंटर फॉर एक्सीलैंस ऑफ कॉटन केन्द्र को स्थापित करने की अति आवश्यकता है। वर्तमान में गुजरात में नवसारी और जूनागढ़ के कृषि विश्वविद्यालयों में आई.सी.आर.ए. के सहयोग से रिसर्च कार्य किया जा रहा है। जिसकी क्षमता आवश्यकता के अनुरूप नहीं है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि कपास की फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन को बढ़ाने हेतु सेंटर फॉर एक्सीलैंस ऑफ कॉटन केंद्र को गुजरात राज्य में स्थापित किया जाए।